1.कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो.....1
जिंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो.....2 (CBSE 2020-21)

प्रश्न 1. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया'- पंक्ति में 'सर' किसका प्रतीक है:-
(क) स्वाभिमान
(ख) सिर
(ग) घमंड
(घ) पराक्रम

प्रश्न 2. पद्यांश में ' बांकपन ' शब्द प्रतीक है:-
(क) वक्ता
(ख) अद्भुत
(ग) छवि
(घ) बेमिसालपन/ जोश

प्रश्न 3. धरती के दुल्हन बनने से तात्पर्य है:-
(क) दुल्हन की भांति शर्मा रही है।
(ख) सैनिकों के खून से नहा गई है।
(ग) बलिदान से गौरवान्वित हुई है।
(घ) दुल्हन की भांति अपने प्रियतम की आस देख रही है।

प्रश्न 4. सर पर कफ़न बांधने का अर्थ है:-
(क) बलिदान के लिए तैयार होना।
(ख) मरने की कोशिश करना।
(ग) अपने लिए जान की बाजी लगाना।
(घ) लोगों को दिखाना की हम मरने से नहीं डरते।

2) राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है
जिंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

प्रश्न 1. 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो'- का क्या तात्पर्य है?
(क) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे
(ख) बलिदानी सैनिक आगे बढ़ने की सोच में रहें
(ग) सैनिक सोच-समझकर आगे बढ़ें
(घ) सैनिक देश के बारे में सोचते रहें

प्रश्न 2. सैनिक किसे सजाने के लिए कहते हैं?
(क) भारत माता को
(ख) बलिदानी सैनिकों के जत्थों को
(ग) देश की कुर्बानियों को
(घ) जश्न मनाने वालों को

प्रश्न 3. 'फतह का जश्न' से तात्पर्य है-
(क) जीत जाने की खुशियाँ
(ख) जीत की खुशियाँ
(ग) आगे बढ़ने की खुशियाँ
(घ) मृत्यु की खुशी

प्रश्न 4. 'सिर पर कफ़न बाँधने' का किस ओर संकेत है?
(क) जीवित रहने की ओर
(ख) सिर पर मुकुट बाँधने की ओर
(ग) देश पर बलिदान की ओर
(घ) सिर बचाने की ओर

प्रश्न 5. 'काफ़िले' शब्द का अर्थ है-
(क) यात्रियों का समूह
(ग) कायरों का गिरोह
(ख) वीरों का समुदाय
(घ) बलिदानियों का झुंड

3)खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

प्रश्न 1. काव्यांश की पृष्ठभूमि में कौन-सी ऐतिहासिक घटना है?
(क) भारत-बांग्लादेश युद्ध
(ख) भारतीय स्वाधीनता संग्राम
(ग) भारत-पाक युद्ध

(घ) भारत-चीन युद्ध

प्रश्न 2. “खूँ से ज़मी पर लकीर” खींचने का आशय है-
(क) दुश्मन पर हमला करना
(ख) सीमाओं पर रक्तपात करना
(ग) मातृभूमि की रक्षा को तत्पर रहना
(घ) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना

प्रश्न 3. “रावण’ का प्रतीकार्थ है-
(क) राम का विरोधी
(ख) आक्रमणकारी
(ग) भारत का शत्रु
(घ) देशद्रोही

प्रश्न 4. “सीता का दामन’ से तात्पर्य है-
(क) भारतीय सांस्कृतिक परंपरा
(ख) मातृभूमि का सम्मान
(ग) देश का स्वाभिमान
(घ) देवी-देवताओं की मर्यादा

प्रश्न 5. “राम भी तुम तुम्हीं लक्ष्मण साथियो” कथन से कवि का संकेत है-
(क) तुम्हें भारतीयता को भी बनाना है और सीमाओं को भी
(ख) तुम्हें राम भी बनना है और लक्ष्मण भी
(ग) तुम्हें युद्ध भी करना है और रक्षा भी
(घ) तुम्हें नारी के सम्मान की भी रक्षा करनी है और मर्यादा की भी

प्रश्न 1. ‘कर चले हम फ़िदा’ कविता और ‘कारतूस ‘ एकांकी के भावों की तुलना कीजिए । विश्लेषण करते हुए अपने मत के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए । (CBSE 2021-22)
उत्तर – ‘कर चले हम फिदा’ कविता और ‘कारतूस ‘ एकांकी में एक समान देशभक्ति का भाव निहित है। देश की एकता, अखंडता व सुरक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने की भावना समाहित है। कविता में सैनिकों की कर्तव्य भावना का वर्णन है एवं एकांकी में वज़ीर अली के कारनामों से मातृभूमि के प्रति उसकी कर्तव्यनिष्ठा का पता चलता है। कविता और एकांकी पाठक के हृदय में देशभक्ति व कर्तव्य भावना को जगाती हैं।

प्रश्न 2. ‘सर पर कफ़न बाँधना ‘ किस ओर संकेत करता है? (CBSE 2018-19)
उत्तर – ‘ सर पर कफ़न बाँधना ‘ का अर्थ है ‘ मौत के लिए तैयार होना। सैनिक अपने अंतिम पलों में देशवासियों को सर पर कफ़न बाँधने के लिए कहता है क्योंकि उसने देश की रक्षा में अपने प्राण त्याग दिए है और अब देश की रक्षा का भार देशवासियों पर है।

प्रश्न 3. ‘कर चले हम फिदा’ गीत में गीतकार ने नवयुवकों को क्या संदेश दिया है? (CBSE 2017-18)
उत्तर – देश की रक्षा करना सबसे बड़ा धर्म व कर्तव्य, देश के मान के लिए सर कटवाने को भी तैयार, रावण रूपी शत्रुओं का नाश, इतना आत्मबल हो कि दुश्मन की चाल का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम

प्रश्न 4. ‘कर चले हम फिदा’ गीत में के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते है ? (CBSE 2016-17)
उत्तर – देश की रक्षा हमारा धर्म व कर्तव्य, मन में देश की रक्षा के लिए यह भाव आवश्यक है कि देश के मान के लिए सर भी कटवाना पड़े तो सदैव तत्पर रहें, किसी भी रावण रूपी शत्रु के कदम देश में नहीं पड़ने देंगे। हममें आत्मबल होना चाहिए कि दुश्मन की हर चाल का मुंहतोड़ जवाब दे सकें और सीता रूपी देश की पवित्रता की रक्षा हम राम व लक्षण रूप में करें। देश में लोकतंत्र की रक्षा का कर्तव्य देशवासियों की जिम्मेदारी है।

प्रश्न 5. 'कर चले हम फिदा' गीत में "राम भी तुम तुम्हीं लक्ष्मण" के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते है ? (CBSE 2015-16)
उत्तर – इन पंक्तियों में सैनिक देशवासियों से कहता है कि वो तो अपना कर्तव्य निभाता हुआ देश के लिए शहीद हो रहा है परन्तु उसके बाद सीता अर्थात भारत की भूमि की रक्षा करने वाले राम और लक्ष्मण दोनों हम ही हैं ।

प्रश्न 6. "कर चले हम फ़िदा" गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?
उत्तर – "कर चले हम फ़िदा" गीत इस बारे में है कि भारत-चीन युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कैसे लड़ाई लड़ी। जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश (नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी, NEFA) में भारतीय सीमा पर हमला किया, तो कई भारतीय सैनिकों ने लड़ते-लड़ते अपना बलिदान दिया था। इसी युद्ध को आधार बनाकर चेतन आनंद ने 'हकीकत' फिल्म बनाई थी। इस फिल्म में युद्ध की घटनाओं को बहुत ही मार्मिक ढंग से दर्शाया गया है। इस फिल्म के लिए मशहूर शायर कैफी आजमी ने "कर चले हम फिदा" नाम का गाना लिखा था। यह गीत बहुत ही देशभक्तिपूर्ण है और भारत के लोगों की अपने देश के प्रति भावनाओं और चीन के खिलाफ उनकी लड़ाई को व्यक्त करता है।

प्रश्न 7. "कर चले हम फ़िदा" गीत में कवि ने वीरों के प्राण छोड़ते समय का मार्मिक वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर – 1962 के भारत-चीन युद्ध में नेफा की ठंडी, बर्फीली चोटियों पर सैनिकों को ऊंचाई की वजह से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उनका खून बह रहा था और उनकी नाड़ी धीमी हो रही थी, लेकिन वे आगे बढ़ते रहे। सिर कट जाने पर भी उन्होंने अपना अहंकार और उत्साह कभी नहीं छोड़ा। इस दृढ़ संकल्प ने उन्हें अपनी मृत्यु तक जीवित रहने में मदद की। भले ही उनका सिर कट गया था, फिर भी उन्होंने भारत माता का मस्तष्क झुकने नहीं दिया। अपना बलिदान देकर उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया और दिखाया कि वह अकेली नहीं हैं।

प्रश्न 8. "कर चले हम फिदा" कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?
उत्तर – "कर चले हम फ़िदा" कविता में कवि धरती को दुल्हन के रूप में संदर्भित करता है क्योंकि अपने देश के लिए लड़ने वाले शहीदों के खून ने धरती को लाल कर दिया। यह एक नवविवाहित जोड़े की खासियत है। जवानों ने अपना खून देकर धरती को दुल्हन की तरह श्रृंगार किया है।

प्रश्न 9. "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो" कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – यह कविता उन वीर सैनिकों की कहानी कहती है जिन्होंने अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इन सैनिकों ने देशभक्ति के महत्व और बलिदान के मूल्य का प्रदर्शन किया है। कवि आने वाली पीढ़ी को इन मूल्यों के महत्व की याद दिलाना चाहता है।

प्रश्न 10. "आज धरती बनी है दुल्हन, साथियो" इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में क्या कहना चाहता है?
उत्तर – "आज धरती बनी है दुल्हन, साथियो' इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में कहना चाहता है कि आज धरा वीरों के लहू का वेश धारण कर दुल्हन बन गई है। अब यह बहादुर सैनिकों का कर्तव्य है कि वे उसके सम्मान की रक्षा करें और उसे दुश्मनों से सुरक्षित रखें।

प्रश्न 11. "कर चले हम फ़िदा"- कविता में कवि ने किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने के लिए कहा है? क्यों?
उत्तर – इस कविता में काफ़िले शब्द का प्रयोग उन देश प्रेमियों के लिए किया गया है जो हंसते-हंसते अपने देश के लिए जान दे देते हैं। कवि अपेक्षा करता है कि ये वीर सपूत बार-बार जन्म लेंगे और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों का काफ़िला यूँ ही सजता रहेगा। इसी आशा से कवि ने इस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने को कहा है।

प्रश्न 12. "कर चले हम फ़िदा" में कवि हमें क्या संदेश दे रहा है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – "कर चले हम फ़िदा' कविता के द्वारा कवि यह संदेश देना चाहता है कि भारत के लोगों में, आने वाली पीढ़ियों के मन में देशभक्ति, देश प्रेम व त्याग बलिदान की भावना जागृत हो। अपने देश के शहीदों व सपूतों

का उदाहरण देते हुए कवि भारतवासियों के मन में देश के लिए साहस, बहादुरी और प्यार की भावना पैदा करने की उम्मीद जगाने का प्रयास किया है

प्रश्न 13. “कर चले हम फ़िदा” कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएं रखी है? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
उत्तर – “कर चले हम फ़िदा” कविता में कवि देशवासियों से अपेक्षा करता है कि वे बलिदानी सैनिक की आवाज़ सुनें और पूर्ण समर्पण की इच्छा के साथ देश की रक्षा का संकल्प लें। अगर देशवासी बलिदान के काफिले को छोड़ दें तो दुश्मन अपने नापाक मंसूबों में कामयाब हो सकता है कवि देशवासियों से अपेक्षा करता है कि वे राष्ट्र रूपी सीता के लिए राम और लक्ष्मण बने और देश को बुरी नज़र से देखने वाले को छठी का दूध याद दिला दें। हालांकि आज जीवन अपने आप तक ही सीमित है, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि हम भारतीय आज इन अपेक्षाओं को पूरा करने में पीछे नहीं हट रहे हैं। आज भी देश पर जब भी कोई विपदा आती है तो सभी एकजुट होकर उसका सामना करने से पीछे नहीं हटते हैं।

प्रश्न 14. “कर चले हम फ़िदा” कविता में जमीन में खून की रेखा खींचने का क्या तात्पर्य है और “रावण” शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है?
उत्तर – “कर चले हम फ़िदा” कविता में, ज़मीन पर खून की रेखा खींचने का अर्थ है अपने देश को अपने दुश्मनों से बचाने के लिए पूरी तरह से समर्पित होना। यह रेखा त्याग की इच्छा को दर्शाती है। इस कविता में ‘रावण’ शब्द का प्रयोग हमारे शत्रुओं के लिए किया गया है। कविता का सार यह है कि जिस प्रकार लक्ष्मण जी ने माता सीता की रक्षा के लिए एक रेखा खींची थी, उसी प्रकार हमें अपने स्वजनों के रूप में राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

प्रश्न 15. “कर चले हम फ़िदा” कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर – “कर चले हम फ़िदा” कविता 1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित है। यह कविता फिल्म “हकीकत” के लिए लिखी गई है। कैफी आजमी ने गाने के जरिए अपने देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले उन जवानों के दिल की बात कही है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। उन सैनिकों ने देश का गौरव कम नहीं होने दिया। हिमालय का मस्तक, उसकी आन-बान-शान कम नहीं होने दी। लड़ते-लड़ते सांसें थमने पर, अत्यधिक ठंड से नब्ज़ तक जमने पर उन्होंने अपने बाँकपन (जवानी के जोश) को कम न होने दिया। वे सैनिक अपने साथी सैनिकों और देशवासियों से भी ऐसे ही समर्पण की आशा रखते हैं। देशवासियों को भी अपने सुखों और निजी स्वार्थों को छोड़कर देश की रक्षा के लिए सिर पर कफन बांधकर तैयार हो जाना चाहिए। भारत-माता सीता माता के समान पवित्र है। कोई भी रावण अर्थात शत्रु उसके दामन को छू न सके। इसकी पवित्रता को खंडित न कर सके। इसलिए उसकी रक्षा के लिए देशवासियों को राम-लक्ष्मण जैसा वीर बनना होगा।

Asst Teachers
Sheetal pat